तापमान
अधिकतम 28.0 डिग्री
न्यूनतम 25.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, गुरुवार 30 जुलाई 2026

[राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर]

सिकासार जलाशय से छोड़ा गया पानी

मैनपुर। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच जल संसाधन विभाग ने सिकासार बांध से पानी छोड़े जाने को लेकर अलर्ट जारी किया है। कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग गरियाबंद के निर्देश पर 29 जुलाई को सुबह 6 बजे से सिकासार बांध से 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। विभाग ने तटवर्ती गांवों को सतर्क रहने और प्रशासन को आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अनुविभागीय अधिकारी, पैरी शीर्ष कार्य जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक–02, सिकासार द्वारा जारी पत्र के अनुसार वर्तमान में सिकासार जलाशय में 185 मिलियन क्यूबिक मीटर जल भंडारण है, जो इसकी कुल क्षमता का लगभग 91.86 प्रतिशत है। लगातार हो रही बारिश के कारण जलाशय में पानी की आवक बनी हुई है, जिसे देखते हुए अतिरिक्त पानी छोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जलाशय में पानी की आवक के अनुसार छोड़े जाने वाले पानी की मात्र आवश्यकता पड़ने पर घटाई या बढ़ाई भी जा सकती है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, जिला प्रशासन, तहसीलदार, जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष, जल संसाधन विभाग के अधिकारियों तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण सहित संबंधित विभागों को सूचना भेज दी गई है, ताकि संभावित स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जा सकें।

प्रवेश प्रारंभ
B.P.Ed., B.P.E.S., BCA, Bsc. (CS/IT), B.Com., PGDCA, DCA PG Diploma in Yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त (पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर
मो.न. - 8103982557

नेशनल हाईवे 130 सी के ऊपर 2–3 फीट पानी भरने से गरियाबंद, रायपुर, देवभोग ओड़िशा मार्ग अवरूद्ध

बारिश का कहर, मैनपुर मुख्यालय से कटा 130 ग्रामों का संपर्क, क्षेत्र के गांव टापू में तब्दील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैनपुर

गरियाबंद जिले के वनांचल मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मुसलाधार बारिश के चलते नदी नाले उफान पर है। बुधवार को नेशनल हाईवे 130 सी के ऊपर कई जगह 2 से 3 फीट पानी सड़क पर आने से रायपुर, गरियाबंद एवं देवभोग ओड़िशा को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग में आवागमन बाधित हो गया है, जिसके कारण सैकड़ों मालवाहक एवं यात्री वाहनों में लोग फंसे हुए है और भारी बारिश के चलते मैनपुर नगर सहित क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामों में बिजली बंद हो गई है। इस कारण संचार व्यवस्था में परेशानी आने लगी है, वहीं मैनपुर राजापड़ाव गौरगांव इलाके में अड़गड़ी नाला में बनाये गये एप्रोच मार्ग बह जाने से इस क्षेत्र के लगभग 65 ग्रामों पाराटोला का संपर्क जहां एक ओर पूरी तरह टूट चुका है वहीं दूसरी ओर मैनपुर, जिड़ार कुल्हाड़ीघाट मार्ग में 4 फीट तक पानी मुख्यमार्ग में आने से यह मार्ग सुबह से देर शाम समाचार लिखे जाने तक पूरी तरह अवरूद्ध है। इस क्षेत्र के दो दर्जन से ज्यादा गांव पाराटोला का संपर्क भी टूट गया है तो गोबरा, कांटीपारा, उदंती अभ्यारण्य के भीतर साहेबिनकछार, नागेश, कोदोमाली, अमाड़, करलाझर, पयलीखण्ड, जांगड़ा, कुरूभाठा, फरसरा, छिन्दौला, आमामोरा, ओढ़, जरण्डी मार्ग में नदी पूरे उफान में होने के कारण सैकड़ों गांवों का संपर्क तहसील मुख्यालय मैनपुर से पूरी तरह टूट गया है। लोगों का आवागमन बंद हो गया है। लगातार बारिश के चलते नदी नालों के जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा ▶▶ शेष पेज 12 पर

- अड़गड़ी नाला में बनायी एप्रोच सड़क टूटी 65 ग्राम के हजारों लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद

बारिश से अमलीपदर तहसील कार्यालय का प्लास्टर टूटकर गिरा, बाल-बाल बचे तहसीलदार

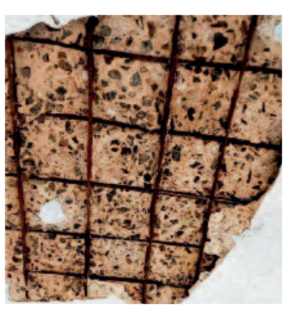

मैनपु। लगातार क्षेत्र मे हो रही बारिश के चलते अमलीपदर मे पुराना अस्पताल भवन मे संचालित हो रहे तहसील कार्यालय के उपर का प्लास्टर टूटकर गिर गया और इस घटना से तहसीलदार बालबाल बचे। ज्ञात हो कि वर्ष 2023 से अमलीपदर मे तहसील खुलने के बाद अस्पताल के जर्जर हो चुके भवन में तहसील कार्यालय का संचालन किया जा रहा है। यह भवन पूरी तरह जर्जर हो गया है। आज तहसीलदार के पहुंचने से पहले उसके कक्ष मे प्लास्टर भरभरा कर गिरा तो अंदर में बैठे फरियादी और अन्य कर्मचारी जान बचाने बाहर भागे। ज्ञात हो कि अमलीपदर में नया तहसील कार्यालय भवन का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन अभी कार्य अधुरा है और ▶▶ शेष पेज 12 पर

राजापड़ाव गौरगांव क्षेत्र के 65 ग्राम बने टापू

मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र के राजापडाव गौरगांव क्षेत्र ओडिसा सीमा से लगा हुआ है और इस क्षेत्र के नदी नालों में पुल पुलिया का निर्माण नहीं होने से इस क्षेत्र के लोग बारिश के पूरे चार माह परेशानियों में गुजारते हैं, और तो और ओडिसा में बारिश का असर इस क्षेत्र के नदी नालों में देखने को मिलता है। राजापड़ाव गौरगांव मार्ग में अड़गड़ी नाला में बनाया गया एप्रोच मार्ग टूट जाने से इस क्षेत्र के 65 ग्राम का आवागमन बाधित हो गया है। जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने बताया पिछले 48 घंटे से मुसलाधार बारिश के कारण अड़गड़ी, जरहीडीह, शोभा, बाघनाला पूरे उफान पर है और इन नदी नालों में पुल निर्माण नहीं होने के कारण ग्रामीण आना जाना नहीं कर पा रहे हैं। क्षेत्र के 65 ग्राम टापू में तब्दील हो गया है। जान जोखिम में डालकर लोग आना जाना करने मजबूर है। हालंकि कुछ नदी नालों में पुलिस के जवान तैनात किये गये है। श्री नेताम ने बताया बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है यह मार्ग ओड़िशा मुख्य कारीडोर मार्ग है जो ओड़िशा रायघर को जोड़ता है इस मार्ग में हजारो लोग फंसे हुए है जो नदी नालो में बहाव कम होने का इंतिजार कर रहे हैं।

बारिश का कहर, अंचल के कई गांव बने टापू

रसेला। अंचल में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने पूरे क्षेत्र में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं और कई ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है। हालात ऐसे बन गए हैं कि अंचल के कई गांव टापू में तब्दील हो चुके हैं। ग्रामीणों की आवाजाही पूरी तरह ठप पड़ गई है और लोगों को दैनिक जरूरतों से लेकर इलाज एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का सबसे ज्यादा असर छुरा-सारागांव-रसेला मार्ग सहित कई ग्रामीण संपर्क मार्गों पर देखने को मिल रहा है। कई सड़कें और पुल-पुलियां पानी में डूब गई हैं, जिससे दर्जनों गांवों का ब्लॉक और जिला मुख्यालय से संपर्क टूट चुका है। कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न होने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। इधर अंचल से बहने वाली नदी नाले का जलस्तर लगातार बढ़ते-बढ़ते पुल के ऊपर पहुंच गया। तेज बहाव के कारण नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा, जिसके चलते रसेला से छुरा,रसेला से गरियाबंद और रसेला से ओडिशा जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। मार्ग बंद होते ही पुल ▶▶ शेष पेज 12 पर

नदी में बहने से 55 वर्षीय ग्रामीण की मौत, 5 किमी दूर मिला शव

फिंगेश्वर। अंचल में लगातार हो रही बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। फिंगेश्वर थाना क्षेत्र में उफनती सरगी नाला पार करने के दौरान 55 वर्षीय ग्रामीण तेज बहाव में बह गया। कई घंटों तलाश के बाद ग्रामीण का शव को करीब 5 किलोमीटर दूर नदी से निकला है। हादसे के बाद पूरे गांव में हड़कंप मचा है।

मृतक की पहचान सहसपुर निवासी थनवार राम यादव 55 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह किसी काम से ग्राम धुरसा जा रहे थे। इस दौरान पुल के ऊपर से बह रहे पानी के बीच नदी पार करने की कोशिश की, तभी अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया और तेज बहाव उन्हें अपने साथ बहाकर ले गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तलाश शुरू की। काफी मशक्कत के बाद मृतक का शव घटनास्थल ▶▶ शेष पेज 12 पर

गुरु पूर्णिमा पर सरस्वती शिशु मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| छुरा

गुरु पूर्णिमा पर छुरा नगर में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण हुआ। मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू थे। अन्य अतिथियों में जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा, नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंह निषाद, भाजपा मंडल अध्यक्ष खोमन चंद्राकर, पूर्व जनपद अध्यक्ष तोकेश्वरी मांझी, पार्षद संगीता दीक्षित, पार्षद चित्ररेखा ध्रुव, जनपद सदस्य पंकज निर्मलकर, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री थानसिंह निषाद, मानसिंह निषाद ,संचालन समिति के अध्यक्ष विजय गुप्ता एवं व्यवस्थापक श्रीमती संतोषी यादव मंचासीन रहे। इस दौरान विधायक रोहित साहू ने संबोधित करते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा का दिन गुरु और शिष्य की महान परंपरा को नमन करने का दिन है। ऐसे शुभ अवसर पर इस भवन का लोकार्पण होना अपने आप में अद्भुत संयोग है। सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय होने के साथ ही सनातन संस्कारों, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति की असली पाठशाला है। यहां शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण का जो कार्य होता है। वही हमारे देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। नवनिर्मित भवन से छुरा अंचल के बच्चों को और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा। जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा ने कहा कि विद्या भारती द्वारा संचालित यह संस्थान वर्षों से ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा का अलख जगा रहा है। संस्कारयुक्त शिक्षा ही समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। नए भवन के निर्माण से बच्चों को आधुनिक सुविधाओं के साथ भारतीय मूल्यों को सीखने का एक सशक्त माध्यम मिला है। नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंह निषाद ने कहा कि छुरा नगर के लिए यह गौरव का क्षण है।

■ विधायक रोहित साहू ने कहा सरस्वती शिशु मंदिर सनातन संस्कारों और राष्ट्रभक्ति की वास्तविक पाठशाला

इस दौरान स्कूली बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, सरस्वती वंदना और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति प्रदान किए।विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष विजय गुप्ता एवं व्यवस्थापक श्रीमती संतोषी यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और भवन निर्माण की यात्रा व विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं और समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया।

भाजपा मंडल ने मनाई संत रविदास की जयंती

फिंगेश्वर। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की जयंती समरसता संकल्प अभियान के तहत 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर गुरु घासीदास बाबा के मंदिर फिंगेश्वर में दीप प्रज्वलित कर मनायी गई।

उपस्थित वक्ताओं ने संत के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये गये मार्ग पर चलने का आहवान किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष मंजू हरित, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला गरियाबंद के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं मंडल उपाध्यक्ष मिन्जून साहू भाजपा पिछड़ा वर्ग का मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दशरथ सिन्हा,अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष उत्तम राजवंशी,भाजपा मंडल के महामंत्री भुवन साहू,प्रेमलाल टोडर,भाजपा मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा, जिला पंचायत के पूर्व सभापति मधुबाला रात्रे, पिछड़ा वर्ग का मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष भगवत सिन्हा,सुखी राम दीवान हेमंत सिन्हा, गैंदलाल माडले एल्डरमैन फिंगेश्वर, पार्षद शांति कोशरे, संतोष माडले, लक्ष्मण माडले, डेरहा राम माडले, मंहगूराम बंजारे, विमला माडले सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

राजिम का सरकारी अस्पताल में भरा पानी

राजिम। इस तस्वीर को देखकर समझा जा सकता है कि राजिम के इस सरकारी अस्पताल परिसर में पानी का जमाव किस तरह से है? बताया जा रहा है कि इसकी निकासी की व्यवस्था नही है लिहाजा यहां कार्यरत डॉ. अन्य स्टॉफ तथा मरीजों को बहुत मुश्किलो का सामना करना पड़ रहा है। लगता है बिना पंप लगाए पानी निकल नहीं पाएगा।

हाईस्कूल परिसर मैनपुर बना तालाब, खेत लबालब

मैनपुर। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान पानी से लबालब भर गया और तालाब जैसे नजर आने लगा स्कूली बच्चे सुबह पहुंचे, लेकिन घुटने तक मैदान में पानी भरने के कारण वापस लौट गये। वहीं तहसीलदार मैनपुर सुशील कुमार भोई दिनभर आज नदी नाले प्रभावित ग्रामों का निरीक्षण किया और लोगों को सलाह दी तथा सतर्क रहने की अपील की। क्षेत्र के खेतखार लबालब हो गये तथा ग्रामीण इलाको के गांवो मे इस तरह आना जाना करने मजबुर हो रहे है। देखे तस्वीर।

नदी किनारे पुलिस का पहरा

राजिम। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण महानदी, पैरी और सोंढूर के पवित्र त्रिवेणी संगम का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के उफान को देखते हुए राजिम पुलिस ने आमजन से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। पुलिस द्वारा लोगों से कहा जा रहा है कि नदी, घाटों एवं पुल-पुलियों के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं तथा तेज बहाव वाले क्षेत्र में जाने या नदी पार करने का प्रयास बिल्कुल न करें। अभिभावकों से भी आग्रह किया गया है कि वे बच्चों को नदी किनारे जाने से रोकें और सुरक्षा संबंधी निदेंशों का पालन करें। राजिम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। प्रशासन और पुलिस लगातार संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बनाए हुए हैं तथा नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की है।

सावन आज से शुरू, कुलेश्वर महादेव में उमड़ेगी आस्था, श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजिम

देवों के देव महादेव को समर्पित पवित्र श्रावण मास का शुभारंभ आज से हो गया है। श्रावण का पहला दिन आते ही छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध तीर्थराज राजिम स्थित त्रिवेणी संगम पर विराजमान भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों में गहरा उत्साह दिखाई दे रहा है। प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु, कांवड़िए, महिलाएं एवं युवा पूरे श्रद्धाभाव के साथ यहां पहुंचने लगे हैं। पूरे सावन माह में विशेष रूप से प्रत्येक सोमवार को मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहेगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीराम के वनवास काल में जब वे माता सीता और लक्ष्मण के साथ इस पावन क्षेत्र में पहुंचे थे, तब त्रिवेणी संगम के मध्य स्थित इस स्थान पर माता सीता ने भगवान शिव की आराधना करते हुए स्वयं शिवलिंग की स्थापना की थी। यही शिवलिंग आज भगवान श्री कुलेश्वर महादेव के रूप में देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि श्रावण मास में यहां सच्चे मन से पूजा-अर्चना और जलाभिषेक करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं भगवान भोलेनाथ पूर्ण करते हैं। इस वर्ष महानदी, पैरी और सोंढूर नदी में पर्याप्त जल प्रवाह होने के बावजूद श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। महानदी पर निर्मित लक्ष्मण झूला के कारण राजिम और नवापारा दोनों ओर से मंदिर तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित हो गया है। इससे विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी सुविधा मिलेगी। श्रावण मास में संभावित भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति एवं प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग की जा रही है। कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था बनाई जा रही है ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। विशेष रूप से सावन के प्रत्येक सोमवार को अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे और श्रद्धालु शांतिपूर्ण वातावरण में भगवान के दर्शन कर सकें। मंदिर में जलाभिषेक की विशेष व्यवस्था भी की गई है। श्रद्धालु अपने साथ लाए गए पवित्र जल को सीधे शिवलिंग पर नहीं चढ़ाएंगे, बल्कि मंदिर परिसर में रखे गए विशेष गुंडी में डालेंगे। इसके बाद उसी जल को पाइपलाइन के माध्यम से भगवान श्री कुलेश्वर महादेव का निरंतर अभिषेक होगा। यह व्यवस्था श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ-साथ मंदिर की व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। श्रावण मास में राजिम का आध्यात्मिक वातावरण पूरी तरह शिवमय हो जाता है। सुबह से देर शाम तक मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, शिव स्तुति, रुद्राभिषेक और पूजा-अर्चना का क्रम चलता रहता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस पावन धाम में भगवान भोलेनाथ के दर्शन मात्र से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। तीर्थराज राजिम का त्रिवेणी संगम सदियों से धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। ऐसे में श्रावण मास के दौरान यहां उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ न केवल भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था को दर्शाती है, बल्कि राजिम की धार्मिक महत्ता को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। राजिम क्षेत्र को पंचकोषी धाम क्षेत्र का दर्जा भी हासिल है जिसमें पटेवा गांव में पटेश्वरनाथ महादेव ,चंपारण में चम्पेश्वरनाथ महादेव ,बम्हनी गांव में बम्हनेश्वर महादेव , फिंगेश्वर में फणीकेश्वर महादेव और कोपरा में कोपेश्वरनाथ महादेव के नाम से पूरे छत्तीसगढ़ में विख्यात है। इन देवालयों में सावन में भीड़ रहती ही है बल्कि जनवरी की 12 तारीख से हजारों श्रद्धालु पैदल ही परिक्रमा करते है। कुल सवा सौ किलोमीटर चलकर इन पंचकोशी धाम में पहुंचकर पूजा अर्चना और मंगल कामना के बाद सप्ताह के अंत में राजिम में कथा पूजा हवन के साथ समापन होता है।

सावन में शिवभक्तों की राह बनी जोखिम, बड़े-बड़े गड्ढों से हादसे का खतरा

नवापारा-राजिम। सावन माह के शुभारंभ के साथ ही तीर्थराज राजिम स्थित प्रसिद्ध कुलेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। लेकिन नवापारा की ओर से मंदिर जाने वाला मार्ग इन दिनों श्रद्धालुओं के लिए बड़ी परेशानी और खतरे का कारण बन गया है। इस मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें लगातार हो रही बारिश के कारण पानी पूरी तरह भर चुका है। इससे सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती और दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है।
विशेष रूप से परिवार के साथ स्कूटी या मोटरसाइकिल से मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पानी से भरे गड्ढों और फिसलन भरे मार्ग के कारण वाहन असंतुलित होने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। यह मार्ग ग्राम पंचायत नवागांव के क्षेत्राधिकार में आता है। ऐसे में ग्राम पंचायत नवागांव तथा मगरलोड विकासखंड के संबंधित अधिकारियों से मांग की गई है कि वे तत्काल इस सड़क का निरीक्षण कर गड्ढों की मरम्मत एवं आवश्यक भराव कार्य कराएं, ताकि सावन माह में आने वाले हजारों शिवभक्त सुरक्षित रूप से कुलेश्वर महादेव मंदिर पहुंच सकें। श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि आस्था के इस महत्वपूर्ण मार्ग को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। सड़क की मरम्मत से न केवल दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी, बल्कि श्रद्धालुओं की यात्रा भी सुरक्षित और सुगम हो सकेगी।

रूवाड़ में माध्यमिक शाला भवन के पुनर्निर्माण की फिर उठी मांग पूरी नहीं होने पर करेंगे तालाबंदी

रसेला। ग्राम रूवाड़ में शिक्षा व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। ग्रामवासियों ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी छुरा, जिला शिक्षा अधिकारी एवं कलेक्टर गरियाबंद को ज्ञापन सौंपकर वर्षों से लंबित हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल भवन की स्वीकृति तथा पिछले तीन वर्षों से जर्जर हालत में पड़े माध्यमिक शाला भवन के पुनर्निर्माण की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो विद्यालय में तालाबंदी कर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

■ 3 साल से जर्जर स्कूल भवन और हाई-हायर सेकेंडरी की मंजूरी अधर में

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि माध्यमिक शाला भवन पिछले तीन वर्षों से अत्यंत जर्जर स्थिति में है। भवन की छत से प्लास्टर और सीमेंट लगातार गिर रहा है तथा बरसात के दौरान पानी टपकने से बच्चों और शिक्षकों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग अब तक गंभीर नहीं हुआ है।ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल का संचालन कई वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन आज तक भवन निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। परिणामस्वरूप हाई और हायर सेकेंडरी के छात्र-छात्राओं को जर्जर माध्यमिक विद्यालय भवन और गांव के अन्य छोटे-छोटे कमरों में एवं ग्राम वासियों के सहयोग से निर्मित टिना शेड में पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस दोहरी समस्या के कारण विद्यार्थियों को सुरक्षित और व्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण नहीं मिल पा रहा है।

परिसर के बाहर करेंगे धरना- प्रदर्शन

इस संबंध में ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों द्वारा कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षा मंत्री को भी आवेदन और मांग पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर केवल आश्वासन ही मिले हैं।ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि सात दिनों के भीतर जर्जर माध्यमिक शाला भवन के जीर्णोद्धार अथवा पुनर्निर्माण और हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल के नए भवन निर्माण के लिए लिखित आदेश जारी नहीं किए गए, तो समस्त ग्रामवासी विद्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी करेंगे और मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। अभिभावक और छात्र-छात्राएं स्कूल परिसर के बाहर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

शिक्षक संघ ने प्रदेश में संस्कृत विषय की स्थिति पर जताई चिंता

फिंगेश्वर। संस्कृत विषय बचाओ अभियान के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश संस्कृत शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दौलत राम साहू, ज्ञानेंद्र कुमार मंडावी, सुनील कुमार महार, मनोज कुमार वर्मा, कामिनी पिल्लई, रेणुका लदेर,पूरन लाल साहू,डॉ नारायण साहू,सनत कुमार वर्मा,नोयन कुमार बुडेक,शिरीष श्रीवास्तव, दुर्गेश कुमार साहू,नरेश कुमार विश्वकर्मा,रामकुमार भट्ट,ईश्वरी यदु,शारदा साहू,अंजना श्रीवास,सुनीता मरकाम,सुकुराम नेताम, दिनेश कुमार मंडावी,हुसैन लाल पुजारी,दिनेश धुरव ने छत्तीसगढ़ में संस्कृत विषय की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल के पाठ्यक्रम से कक्षा छठवीं से लेकर कक्षा दसवीं तक सचिवालय स्तर पर षडयंत्र पूर्वक हटाया जा रहा है।

संघ के पदाधिकारी द्वारा 25 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर सूचना का अधिकार पत्र से मिली जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा संस्कृत संकल्प का भाषा है। विकल्प का नहीं। इस भाषा के साथ कदापि अन्याय नहीं होगा। छत्तीसगढ़ विधानसभा से 30 अप्रैल को संस्कृत भाषा अनिवार्य करने की संवैधानिक घोषणा की गई है।विविध पत्र क्रमांक 23 मार्च 26 एवं 10 अप्रैल 26 को लोक शिक्षण संचालनालय के प्रशासनिक समिति बैठक का अभिमत को संबंधित विभाग प्रसारित क्यों नहीं कर रहे हैं।

गायत्री प्रज्ञा पीठ खोरपा में गुरु पूर्णिमा मनाई गई

अभनपुर। गायत्री प्रज्ञा पीठ खोरपा में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तीन कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें तीन दंपतियों ने सपत्नीक सहभागिता कर विश्व कल्याण एवं जन-जन के सुख-समृद्धि की कामना के साथ यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ व्यास वंदना एवं गुरु पूजन से हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरु का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। व्यास पीठ पर विराजमान युग पुरोहित ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाले मार्गदर्शक होते हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति आत्मिक एवं नैतिक उन्नति प्राप्त कर सकता है।

बिजली उपभोक्ताओं को परेशान करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

छुईहा बेलर। राजिम विधायक रोहित साहू ने बिजली उपभोक्ताओं की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। विधायक ने विभाग के अधिकारी डी. हरिशंकर प्रसाद से स्पष्ट कहा कि उपभोक्ताओं के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए तथा किसी भी स्थिति में उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बेवजह बिजली उपभोक्ताओं को परेशान किया गया तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने ओवरलोड, लो वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इनका शीघ्र समाधान विभाग की प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व वसूली और विद्युत आपूर्ति को अलग-अलग प्रक्रियाओं के रूप में देखा जाए तथा उपभोक्ताओं को बिजली बिल के नाम पर सामूहिक रूप से बिजली आपूर्ति से वंचित न किया जाए। रोहित साहू ने कहा कि बिजली चोरी रोकना विभाग की जिम्मेदारी है और इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन बिजली चोरी अथवा कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिल जमा नहीं करने के कारण पूरे मोहल्ले की बिजली आपूर्ति बंद करना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने हाल ही में ग्राम बेलर के एक मोहल्ले में बिजली बिल बकाया होने के कारण विद्युत आपूर्ति रोकने की घटना का उल्लेख करते हुए ऐसी कार्रवाई से बचने के निर्देश दिए।

बुधवार को ग्राम छुईहा एवं चरौदा के उपभोक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक से मिला। प्रतिनिधिमंडल में सरपंच गजेश्वर सिन्हा, टिकेंद्र सिन्हा, संजय सिन्हा, दशरथ ध्रुव तथा ईश्वर कसारी शामिल थे।

सीएम साय ने राजिम टीआई अमृतलाल का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजिम

राजिम थाना प्रभारी टीआई अमृतलाल साहू को उनकी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्यों के लिए पुलिस पत्रिका के प्रतिष्ठित जज्बा अवॉर्ड-2022 से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें सम्मान प्रदान करते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। यह सम्मान छत्तीसगढ़ पुलिस के उन अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया है, जिन्होंने अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी, अनुशासन और जनता के प्रति संवेदनशीलता का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

प्रदेश से 42 पुलिस अफसर व कर्मियों का चयन : प्रदेशभर में कुल 42 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों का चयन इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए किया गया, जिनमें जिले के चार अधिकारी शामिल रहे। इनमें राजिम थाना प्रभारी अमृतलाल साहू एवं उपनिरीक्षक संजय सिंह ठाकुर को भी सम्मानित किया गया। राजिम टीआई अमृतलाल साहू ने अपने कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, आम नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार तथा पुलिस और जनता के बीच विश्वास का मजबूत वातावरण बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पुलिस विभाग के ऐसे अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा हैं, जो अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करते हैं। उन्होंने सम्मानित सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनका उत्कृष्ट कार्य अन्य पुलिस कर्मियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगा।

जनता के प्रति सेवाभावना का प्रमाणः एसपी

गरियाबंद एसपी वेदव्रत सिरमौर ने राजिम टीआई अमृत लाल साहू को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुलिस परिवार के लिए यह गर्व का क्षण है। मुख्यमंत्री से हमारे जवानों को मिला अवार्ड उनकी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और जनता के प्रति उनकी सेवा भावना का प्रमाण है। इस सम्मान से न केवल इन चारों अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि जिले के अन्य पुलिस कर्मियों को भी पूरी निष्ठा और जज्बे के साथ ड्यूटी करने की प्रेरणा मिलेगी। गरियाबंद पुलिस जनता की सुरक्षा और न्याय के लिए हमेशा तत्पर रहेगी।

पेज 11 के शेष

बारिश से अमलीपदर तहसील ....

खिड़की दरवाजे फ्नीशिंग कार्य बचा हुआ है। इस नये तहसील कार्यालय का कार्य जल्द पूरा किया जाना चाहिए।
क्या कहते हैं तहसीलदार : अमलीपदर तहसीलदार गेंदलाल साहू ने बताया वर्तमान में जो पुराना अस्पताल भवन में तहसील कार्यालय का संचालन किया जा रहा है, वह भवन बेहद जर्जर हो गया है। आज कार्यालय पहुंचने से पहले ही ऊपर का प्लास्टर टूटकर गिर गया। श्री साहू ने बताया भवन की स्थिति बेहद खराब है और नया भवन निर्माण कार्य में अभी कुछ कार्य बाकी है।

बारिश का कहर, मैनपुर...

है। मैनपुर गरियाबंद नेशनल हाइवे मार्ग के अलावा देवभोग मार्ग में बम्हनीझोला, कोदोमाली, तौरेंगा, झरियाबाहरा एवं कई जगह सड़क के उपर 2-3 फीट पानी चढ़ गया है। इस कारण कई मालवाहक ट्रक व वाहने जंगल के भीतर फंसे हुए है।
अमाड़, साहेबिनकछार, सिंहार क्षेत्र के दर्जनों ग्रामों के घरों में घुसा पानी, आवागमन बंद : मैनपुर विकासखण्ड के सिंहार, अमाड़, साहेबिनकछार क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक ग्रामों में आवागमन बाधित हो गया है। नदी नाले पूरे उफान पर है और ग्रामीणों का आना जाना थम गया है। शोभा के सरपंच घनश्याम मरकाम, वरिष्ठ आदिवासी नेता रूपसिंह मरकाम, अर्जुन नायक, मदन यादव ने बताया नदी नाले उफान में होने के कारण पूरा आवागमन बंध है और ग्रामीणों को भारी दिक्कत हो रही है।
तहसीलवार दैनिक वर्षा की जानकारी
आज की स्थिति में जिले की औसत वर्षा 625.2 मिमी चालू मानसून सत्र में एक जून से 29 जुलाई तक जिले की औसत वर्षा 625.2 मिमी दर्ज की गई है। गत वर्ष (पिछले 10 वर्ष के आधार पर) इस अवधि तक 513.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसीलवार 29 जुलाई की स्थिति में मैनपुर तहसील में 780.2 मिमी और गरियाबंद तहसील में 686.8 मिमी, देवभोग तहसील में 402.1 मिमी एवं अमलीपदर तहसील में 316.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

बारिश का कहर, अंचल...

के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई। यात्री घंटों तक सड़क खुलने का इंतजार करते रहे। इस मार्ग के बंद होने से छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के बीच आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।
स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट एवं मुस्तैद है। पुल के दोनों ओर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है ताकि कोई भी व्यक्ति या वाहन उफनते पानी के बीच पुल पार करने का प्रयास न करे। पुलिस लगातार लोगों को समझाइश देकर सुरक्षित स्थानों पर रोक रही है और अनावश्यक यात्रा नहीं करने की अपील कर रही है। प्रशासन के अधिकारी भी लगातार जलस्तर की निगरानी कर रहे हैं और हालात पर पल-पल नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अगले कुछ घंटों तक इसी तरह बारिश जारी रही तो हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं। कई गांवों का संपर्क पूरी तरह कट सकता है और जनजीवन पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, उफनते नदी-नालों और पुलों को पार करने का प्रयास बिल्कुल न करें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

नदी में बहने से...

से करीब 5 किलोमीटर दूर, फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के खुटेरी गांव के पास नदी में मिला, जिसे ग्रामीणों ने बाहर निकाला। लगातार हो रही भारी बारिश से जिले की नदियां और नाले उफान पर हैं।प्रशासन भी लोगों से जलमग्न पुल-पुलियों और उफनती नदियों को पार नहीं करने की अपील कर रहा है, ताकि इस तरह के हादसों से बचा जा सके। फिंगेश्वर पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर मामले की विवेचना में जुटी है। पीएम पश्चात शव परिजनों के हवाले किया गया।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मनाएगा गुरु पूर्णिमा उत्सव 2 अगस्त को

नवापारा-राजिम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा 2 अगस्त रविवार को दोपहर 3 बजे राधाकृष्ण मंदिर परिसर में गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर श्री गुरु पूजन एवं गुरु दक्षिणा समर्पण उत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक अभय राम होंगे। यह जानकारी नगर संघचालक सनत चौधरी एवं नगर कार्यवाह आकाश जैन ने दी है।

बाघ संरक्षण पर आधारित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित कर बच्चों को दी जानकारी

मैनपुर। उदंती सीता नदी टाइगर रिजर्व अंतर्गत जंगल के भीतर बसे प्राथमिक शाला मोतीपानी में विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बाघ संरक्षण पर आधारित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई और उन्हें जानकारी दिया गया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी ज्योति ध्रुव, उत्तर उदंती द्वारा बाघ संरक्षण, जैव विविधता, वनों के महत्व तथा वन्यजीवों की सुरक्षा के संबंध में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर, कई गांवों का संपर्क टूटा

सुरसाबांधा। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नदी-नाले ऊफान पर हैं। हालात ऐसे हैं कि रवेली, लोहरसी एवं सहसपुर सहित कई गांवों का एक-दूसरे से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जलस्तर बढ़ने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों, मजदूरों तथा रोजमर्रा के कार्यों के लिए आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण सहसपुर मार्ग की पुलिया पूरी तरह पानी में डूब गई है। इसी दौरान पुलिया पार करने का प्रयास कर रहे थनवार यादव 55 वर्ष तेज बहाव की चपेट में आ गए और पानी में बह गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

आनलाइन अटेंडेंस एप सही ढंग से नहीं कर रहा काम: रामनारायण

राजिम। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष संजय ठाकुर, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष उमेश भारती गोस्वामी,

संगठन मंत्री ओंकार सिंह ठाकुर, महामंत्री मनोज राय, प्रांतीय प्रवक्ता रामनारायण मिश्रा ने वीएसके ऐप त्रुटियों को लेकर कहा कि यह ऐप सही ढंग से काम नहीं कर रहा है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा ऑनलाइन अटेंडेंस के आधार पर शिक्षकों एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का वेतन आहरित करने के आदेश को वापस लेना चाहिए। बताया कि स्कूल परिसर में उपस्थित होने के बावजूद ऐप में स्कूल परिसर से बाहर होना दिखाया जाता है। राज्य के दूरदराज और ग्रामीण अंचलों में नेटवर्क की भारी समस्या बनी रहती है। बिना नेटवर्कके ऑनलाइन अटेंडेंस नही होगा ऐसे में वेतन काटने का आदेश सही नही है। संघ के लोगों ने कहा कि कई बार चेक इन की प्रविष्टि करने के बाद भी डेटा दर्ज नहीं होता और शाम को चेक आउट करते समय भी ऐप पुनः चेक इन दर्ज करने को कहता है। ऐप में व्याप्त इन गंभीर तकनीकी त्रुटियों के कारण 100 फीसदी शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज होना व्यावहारिक रूप से संभव ही नहीं है। ऐसे में ऐप की विफलता का खामियाजा शिक्षकों को अपने वेतन में कटौती के रूप में भुगतना पड़ेगा, जो कि पूर्णतः अन्यायपूर्ण है।

आईआईटी दिल्ली के बूट कैंप से लौटे एकलव्य के छात्रों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा के 10 होनहार विद्यार्थियों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में आयोजित 7-दिवसीय बूट कैंप में सफलतापूर्वक सहभागिता कर विद्यालय एवं पूरे गरियाबंद जिले का नाम रोशन किया है। दिल्ली से वापसी के उपरांत आज विद्यालय परिसर में आयोजित प्रातः कालीन सभा में इन विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत सदस्य लेखराज ध्रुव एवं समाजसेवी शीतल ध्रुव ने विद्यार्थियों को पौध भेंटकर और सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोनम नेताम, भावना ध्रुव, योगिता, मानवी ठाकुर योगमाया ध्रुव, संगम दीवान, दुलेश कुमार मांझी दोगेंद्र ध्रुव, विकास कुमार मरकाम, ऋतिक, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा आईआईटी दिल्ली के भगवान बिरसा मुंडा सेल बीबीएमसी द्वारा आयोजित इस बूट कैंप का मुख्य उद्देश्य हमारे जनजातीय व ग्रामीण अंचल के मेधावी विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, नेतृत्व क्षमता और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देना है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के मंच के माध्यम से बच्चों को आधुनिक तकनीक, विज्ञान और उच्च शिक्षा के अवसरों से सीधा परिचय कराना था, ताकि वे जीवन में बड़े सपने देख सकें।/"उन्होंने आगे कहा— हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उनमें कठिन परिश्रम, अनुशासन और ईमानदारी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का आत्मविश्वास जगाना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह अनुभव इन बच्चों के भविष्य को नई दिशा देगा।

सेंदर में स्काउट गाइड तृतीय सोपान शिविर सह ग्रेट कैंप फायर का रंगारंग समापन

जीवन अनुशासन, सेवा और स्वावलंबन का पाठ स्काउट्स एवं गाइड्स: रोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़, जिला संघ गरियाबंद के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय स्काउट-गाइड तृतीय सोपान निपुण जांच परीक्षा शिविर का रंगारंग समापन बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेंदर विकासखंड फिंगेश्वर में संपन्न हुआ। 25 से 29 जुलाई तक चले इस शिविर के अंतिम दिन गरिमामयी माहौल में ग्रेट कैंप फायर एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों एवं स्काउट्स-गाइड्स ने विद्यालय परिसर में अंजिर का पौधारोपण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू रहे। अध्यक्षता राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड छत्तीसगढ़ इंदरजीत सिंह खालसा ने की। विशिष्ट अतिथियों में जनपद अध्यक्ष इंद्राणी नेहरू साहू, ओंकार साहू जिला स्काउट संघ, हरीश साहू सरपंच संघ जिलाध्यक्ष, राजू साहू, अध्यक्ष फनीकेश्वर नाथ महाविद्यालय फिंगेश्वर, जनपद पंचायत फिंगेश्वर की अध्यक्ष प्रतिनिधि नेहरू साहू, ग्राम पंचायत सेंदर की सरपंच श्रीमती गामिनी राकेश घृतलहरे, उपसरपंच तुलसी राम वर्मा, शाला विकास समिति के अध्यक्ष जनक राम साहू, छुईहा सरपंच गजेश्वर सिन्हा, सेंदर के पूर्व सरपंच रामाधार साहू, दुजराम साहू, अध्यक्ष विद्या मंदिर रामु राम साहू, जीवन सिन्हा, परमा वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने कहा कि स्काउट और गाइड का जीवन अनुशासन, सेवा और स्वावलंबन का पाठ सिखाता है। उन्होंने कहा, यहाँ बच्चे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीना और दूसरों की मदद करना सीखते हैं। इस शिविर में सीखी गई निपुणता उन्हें भविष्य में जिम्मेदार और राष्ट्रप्रेमी नागरिक बनाएगी। पर्यावरण की रक्षा के लिए किया गया पौधारोपण इस आयोजन की सार्थकता को और बढ़ाता है। कार्यक्रम अध्यक्ष राज्य मुख्य आयुक्त श्री खालसा ने कहा कि तृतीय सोपान निपुण जांच परीक्षा बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने गरियाबंद जिला संघ की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ से तैयार होकर निकलने वाले स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

ये रहे उपस्थित

जिला आयुक्त राजेश चंद्राकर जिला सचिव रोमन लाल साहू के मार्गदर्शन व जिला मुख्य आयुक्त ओंकार साहू की उपस्थिति एवं डी ओ सी स्काउट आशीष साहू व डी ओ सी गाइड सीमा साहूविकासखंड सचिव मुराली साहू, रामप्रसाद साहू, ईश्वर मालाकार सुनील देशलहरे डी.टी.सी, गिरवर यादव परीक्षक स्काउट, जिला मिडिया प्रभारी पूरन लाल साहू, ईश्वर मालाकार, लॉरेंस महिलांगे, गीतांजलि सिन्हा, गोपेश्वरी साहू, प्रेमलाल साहू, मालिक राम मरकाम, चन्द्रिका साहू दीपक कुमार बांधे, जुली क्रिस्टीना व स्काउट गाइड उपस्थित थे।

24 घंटे में चार प्रसव, देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ने बनाया रिकॉर्ड

मैनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व एवं संस्थागत प्रसव के लिए विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश साहू ने बताया कि प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को गर्भवती महिलाओं की विशेष स्वास्थ्य जांच की जाती है। इस दौरान आवश्यक जांच, चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी प्रदान की जाती है। गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संस्था तक सुरक्षित लाने एवं प्रसव उपरांत घर पहुंचाने के लिए 102 महतारी एक्सप्रेस एम्बुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध है। डॉ. प्रकाश साहू ने क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और शासकीय स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने की अपील की।

■ सीएचसी देवभोग में गर्भवती महिलाओं को मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

चार महिलाओं का सुरक्षित सामान्य प्रसव – इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग में स्वास्थ्य टीम द्वारा चार गर्भवती महिलाओं का सफलतापूर्वक सामान्य प्रसव कराया गया हेम बाई ने रात 9:44 बजे 2.110 किग्रा. वजन की बालिका, सुनीता नागेश ने दोपहर 1:47 बजे 3.600 किग्रा. वजन के बालक, धनमती ने दोपहर 2:37 बजे 1.900 किग्रा. वजन के बालक तथा गायनदीं बघेल ने रात 9:35 बजे 2.450 किग्रा. वजन के बालक को जन्म दिया। गायनदीं बघेल का हीमोग्लोबिन 7.4 हउः तथा सिकलिंग पॉजिटिव होने के कारण आवश्यक चिकित्सकीय निगरानी में ब्लड ट्रांसफ्यूजन किया गया। 24 घंटे के भीतर देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे चार सफल प्रसव मे एक रिकॉर्ड बनाया है।

हाई स्कूल में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर विविध प्रतियोगिताएं और पौधारापेण

छुरा। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल लोहझर में विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, राष्ट्रीय चेतना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चित्रकला, निबंध लेखन, रंगोली तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के निर्देशन एवं डीएसपी सुश्री गरिमा दादर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जिला स्तरीय जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। अभियान के तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं गांवों में चौपाल लगाकर नागरिकों को विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर जागरूक किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं के लिए सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव, डायल-112 एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 का उपयोग, यातायात नियमों का पालन, नशा मुक्ति अभियान, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, गुड टच-बैड टच, सड़क दुर्घटना राहगीर योजना, पर्यावरण संरक्षण तथा छत्तीसगढ़ पुलिस के अभिव्यक्ति ऐप एवं समाधान ऐप की उपयोगिता जैसे समसामयिक विषय निर्धारित किए गए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर सिंह गंगवार ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में सामाजिक, कानूनी, साइबर सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना है।

वनरक्षक राकेश एनटीसीए उत्कृष्टता पुरस्कार- 2026 से दिल्ली में सम्मानित

मैनपुर। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के वनरक्षक राकेश मार्कण्डेय ने अपने साहस समर्पण और वन्यजीव संरक्षण के कार्य मे पूरे देश मे छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी एनटीसीए ने उन्हे उकृष्टता पुरस्कार 2026 के लिए अधिकृत रूप से चयनित किया था। 29 जुलाई 2026 को नई दिल्ली मे ग्लोबल टाइगर डे के अवसर पर आयोजित समारोह में वनरक्षक राकेश को सम्मानित किया गया। 'उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व' के 'कुल्हाड़ीघाट परिक्षेत्र के ओंढ बीट' में पदस्थ 'वनरक्षक राकेश मार्कण्डेय' का चयन 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले 'एनटीसीए उत्कृष्टता पुरस्कार 2026' के लिए किया गया। श्री मार्कण्डेय का चयन वन्यजीव संरक्षण एवं अवैध शिकार निरोधक गतिविधियां वाली श्रेणी में किया गया है। यह चयन देशभर के विभिन्न टाइगर रिजर्वों से प्राप्त नामांकनों के गहन परीक्षण एवं मूल्यांकन के उपरांत गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है।

सर्व यादव समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री गजेंद्र यादव से की सौजन्य भेंट

छुरा। सर्व यादव समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु के नेतृत्व में गरियाबंद, कांकेर, बलौदाबाजार, धमतरी एवं रायपुर जिले के पदाधिकारियों एवं समाज प्रमुखों के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री गजेंद्र यादव से सौजन्य भेंट कर समाज के विकास, स्वरोजगार, शासकीय योजनाओं के लाभ तथा सामाजिक प्रतिनिधित्व सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

भेंट के दौरान मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रतिनिधिमंडल का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि यादव समाज अपनी मेहनत, ईमानदारी और पशुपालन परंपरा के लिए पूरे प्रदेश में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि समाज को अपने पैतृक व्यवसाय से जुड़कर आधुनिक तकनीक और शासन की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। यदि युवा वर्ग पारंपरिक व्यवसाय को आधुनिक संसाधनों के साथ अपनाए तो रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

मंत्री ने कहा कि पशुपालन, डेयरी व्यवसाय, बकरी पालन तथा चारा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में शासन की कई योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने विशेष रूप से पैरा कटिंग मशीन योजना की जानकारी देते हुए कहा कि किसान एवं पशुपालक इस योजना का लाभ लेकर कम लागत में पशुओं के लिए गुणवत्तापूर्ण चारा तैयार कर सकते हैं। इससे पशुपालन व्यवसाय अधिक लाभकारी बनेगा। उन्होंने उपस्थित सभी समाजजनों से अपील की कि वे शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिक से अधिक लोगों को इनका लाभ दिलाने में सहयोग करें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में यादव समाज के लगभग 26 सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

दूसरो को हमारे जिस काम से तकलीफ हो वह काम हम बिलकुल ना करें : गुरु रुद्रकुमार

नवापारा-राजिम। नवापारा सतनामी समाज व आसन परिवार के तत्वावधान में गुरु अमरदास जयंती एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव बुधवार को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस आयोजन में गिरौदपुरी धाम एवं खड़वा पुरी धाम गद्दीनशीन जगतगुरु गुरु रूद्रकुमार बाबा जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। सभी समाजिकजनों द्वारा बाबा रुद्रकुमार को बस स्टैंड से पंथी की थाप में स्वागत करते हुए कार्यक्रम स्थल तक लाया गया।

जहां बाबा गुरुघासीदास जी के दर्शन व गुरु आरती पूजन के साथ गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। गुरु रूद्र कुमार को साफा, चांदी का मुकुट और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया तत्पश्चात समारोह में समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित किये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बाबा रूद्रकुमार ने आयोजन के लिए बधाई देते हुए आसन परिवार सहित समाज की तारीफ की। उन्होंने उपस्थित समाज को सत्य के रास्ते में चलने, सतनाम के विचारों का आचरण में लाने, नशापान से दूर रहने, सदचरित्र धारण करने की बात कही। अपने आप को बेदाग बनाये रखते हुए मानव कल्याण के लिए काम करने प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि दूसरो को हमारे जिस काम से तकलीफ हो वह काम हम बिलकुल ना करें, उन्होंने सतनाम संदेश यात्रा का जिक्र करते हुए आज आ रही समाजिक एकता को और मजबूत करने की बात कही। उन्होंने समाज के इतिहास को तोड़ मरोड़कर पेश करने वालो को मंच से चेतावनी भी दी। कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू ने आयोजन की तारीफ करते हुए सभी को गुरु पूर्णिमा की बधाई दी। उन्होंने सभी समाजिकजनों को बाबा जी के बताये मार्ग का अनुशरण की अपील की। जनपद सदस्य धनेश्वरी डांडे, राजमहंत छबिराम रात्रे, राजिम तहसील अध्यक्ष कोमल ढीढी, अश्वनी बबलू त्रिवेंद्र ने कहा कि सतनामी समाज गुरु प्रधान समाज हैं, बिना गुरु के ज्ञान के मोक्ष की प्राप्ति असंभव हैं।

■ गुरु रुद्रकुमार के सानिध्य में गुरु अमरदास जयंती एवं गुरु पूर्णिमा समारोह

कार्यक्रम में अलग अलग जिलों से पहुंचे राजमहंतो बंशी लाल कुर्रे, संत सारंग, किशुन मिर्चे, जैतराम कोसरे, तरुण व्यवहार सहित, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सौरभ शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामा यादव, पार्षद रामरतन निषाद, अर्जुन साहू तथा सामाजिकजनों व मीडिया के साथियो का शॉल श्रीफल से सम्मान हुआ।

गांवों में बाढ़ जैसे हालात, खेतों में लबालब पानी, बिजली गुल, लोगों में दहशत का माहौल

झमाझम बारिश से पूरा इलाका जलमग्न, उफान पर सरगी नदी, घर ढहा, जनजीवन बेहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोपरा

सावन से पहले प्रकृति ने ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि पूरा कोपरा अंचल जलमग्न हो गया। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मंगलवार से शुरू हुई झमाझम बारिश बुधवार तक रुक-रुक कर जारी रही, जिससे सरगी नदी उफान पर पहुंच गई। नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। चारों ओर केवल पानी ही पानी दिखाई दे रहा है और लोगों में दहशत का माहौल है।

लगातार बारिश के कारण लोहरसी स्थित सरगी नदी के बीच बने प्राचीन शिव मंदिर के चारों ओर पानी भर गया है। मंदिर पूरी तरह जलराशि से घिर गया है, जिससे श्रद्धालुओं का पहुंचना असंभव हो गया है। क्षेत्र के छोटे-छोटे नाले भी उफान पर हैं और कई जगह पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क प्रभावित होने लगा है और लोगों की आवाजाही पर भी संकट गहरा गया है।

बारिश ने केवल जनजीवन ही नहीं, बल्कि लोगों के आशियानों पर भी कहर बरपाया है। लोहरसी निवासी अलख राम निर्मलकर का कच्चा मकान लगातार बारिश के चलते पूरी तरह ढह गया।

लगातार हो रही वर्षा का असर खेती-किसानी पर भी साफ दिखाई दे रहा है। खेतों में लबालब पानी भर जाने से कृषि कार्य पूरी तरह ठप हो गया है। बारिश के साथ बिजली व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा गई है। क्षेत्र में रातभर से बिजली आपूर्ति बंद है, जिससे लोग अंधेरे में रात बिताने को मजबूर हैं। मोबाइल फोन बंद होने लगे हैं, पेयजल की समस्या बढ़ रही है और रोजमर्रा के कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। लगातार बिजली गुल रहने से लोगों की परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कई वर्षों में सावन की शुरुआत में इतनी लगातार और तेज बारिश कम ही देखने को मिली है। लगातार बरसते बादलों और बढ़ते जलस्तर ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। नदी-नालों के किनारे बसे परिवार पूरी रात जागकर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिवारों में चिंता साफ दिखाई दे रही है।

मुसलाधार बारिश के बीच बिजली गुल

मैनपुर। नगर सहित क्षेत्र के 100 से ज्यादा ग्रामों में बारिश से बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। दूसरी ओर देर रात तक घने जंगलों के भीतर टार्च की रौशनी में झमाझम बारिश के बावजूद बिजली व्यवस्था बहाल करने बिजली विभाग के कर्मचारी लगे हुए हैं, लेकिन समाचार लिखे जाने तक बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो पाई है।

कुलेश्वर महादेव मंदिर का चबूतरा जलमग्न

राजिम संगम में बाढ़ का अदभुत नजारा, समुद्र सा दिख रहा त्रिवेणी संगम

राजिम। तीर्थराज राजिम स्थित त्रिवेणी संगम अपने रौद्र और मनमोहक स्वरूप में दिखाई दे रहा है। लगातार हो रही बारिश तथा जिले के सिकासार जलाशय से 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। संगम का दृश्य ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो विशाल समुद्र लहरें मार रहा हो। दूर-दूर तक केवल पानी ही पानी नजर आ रहा है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक संगम तट पर पहुंच रहे हैं। नदी के मध्य स्थित आस्था के प्रमुख केंद्र कुलेश्वर महादेव मंदिर का चबूतरा चारों ओर से पानी से घिर गया है। हालांकि मंदिर सुरक्षित है, लेकिन बढ़ते जलस्तर ने इसकी भव्यता को और भी आकर्षक बना दिया है। संगम में बने चार से पांच ऐनीकेट पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं, जिससे नदी के तेज बहाव का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। गरियाबंद और धमतरी जिले के ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा का असर सीधे राजिम संगम में दिखाई दे रहा है। जलप्रवाह बढ़ने से नदी पूरे वेग के साथ बह रही है। प्राकृतिक सौंदर्य और बाढ़ का यह दृश्य लोगों को रोमांचित कर रहा है, वहीं प्रशासन किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसडीएम विशाल महाराणा, थाना प्रभारी अमृतलाल साहू, नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, नगर पालिका सभापति आकाश राजपूत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी संगम तट पहुंचे। अधिकारियों ने नदी किनारे सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया तथा लोगों से नदी के तेज बहाव के बीच पानी के समीप न जाने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की। प्रशासन ने संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। बाढ़ के बीच राजिम संगम का यह अलौकिक दृश्य एक ओर प्रकृति की विराट शक्ति का एहसास करा रहा है तो दूसरी ओर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नदी का उफनता स्वरूप, चारों ओर फैला अथाह जल जो राजिम के पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर से लेकर श्री कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर और नवापारा शहर तक उमड़ा पानी इस समय राजिम की सबसे बड़ी तस्वीर के रूप में सामने आया है।

नदी-नाले उफान पर, कई मार्गों पर आवागमन ठप

छुरा। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। मंगलवार रात से शुरू हुई वर्षा बुधवार को भी रुक-रुक कर जारी रही, जिससे चारों ओर जलभराव की स्थिति बन गई। लगातार हो रही बारिश के कारण छोटे-बड़े सभी नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर पानी भर जाने से आवागमन बाधित हो गया है।

बारिश के चलते अधिकांश शासकीय कार्यालयों और विद्यालयों में भी सन्नाटा पसरा रहा। कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न होने से बसों का संचालन बंद रहा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छुरा के मुख्य मार्ग पर स्थित कोसमबुड़ा सुखा नदी पुल पर इस बार पानी चढ़ जाने के कारण प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से लोगों के आवागमन पर रोक लगा दी है। वहीं कोसमबुड़ा—सारागांव मार्ग पर पुल पहले से ही क्षतिग्रस्त होने के कारण लोगों को आने-जाने में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी प्रकार रावणाभाटा—रसेला मार्ग के छोटे पुल पर घुटनों से अधिक पानी बहने लगा, जिससे इस मार्ग पर भी आवागमन लगभग ठप हो गया। खरखरा मार्ग पर पेंड्रा सहित कई स्थानों पर सड़क के ऊपर पानी बहने से बसों का संचालन पूरी तरह बंद रहा और लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचना मुश्किल हो गया।

दिनभर रुक-रुक कर होती रही बारिश के कारण मार्गों के जल्द बहाल होने की संभावना भी नहीं दिख रही है।

राजिम में प्रशासन अलर्ट, नदी किनारे क्षेत्रों का किया निरीक्षण

राजिम। अत्यधिक बारिश के चलते सिकासेर बांध में पानी का जलस्तर बढ़ने के कारण बांध से लगभग 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे नदी किनारे बसे गांवों के साथ-साथ राजिम नगर में भी बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। बाढ़ की संभावित स्थिति को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन, नगर पालिका परिषद राजिम, राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने नदी किनारे स्थित क्षेत्रों का स्थल निरीक्षण किया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर परिस्थितियों का जायजा लिया तथा आम जनता से सतर्कता बरतने की अपील की। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बच्चों को नदी किनारे न जाने दें, स्वयं भी सतर्क रहें और आसपास के लोगों को भी सावधान करें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों के ठहरने के लिए नगर पालिका परिषद राजिम द्वारा यादव ठेठवार भवन एवं मंगल भवन में आवश्यक व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही नगर में मुनादी कराकर नागरिकों को सावधानी बरतने एवं प्रशासन के साथ सहयोग करने की जानकारी दी जा रही है। स्थल निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजिम विशाल महाराणा, नायब तहसीलदार तारेंद्र ठाकुर, सीएमओ एस.के. विश्वकर्मा, थाना प्रभारी अमृतलाल साहू, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष महेश यादव, सभापति आकाश सिंह राजपूत, भारत यादव, पार्षद सुरेश पटेल, आरक्षक रेखु पटेल, उमेश ध्रुव, खेमचंद ध्रुव, जितेंद्र साहू ,कामनी साहू सहित प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि नदी एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को तत्काल सूचना दें। आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

भारी बारिश से सरगी नाला पुल के ऊपर पानी

फिंगेश्वर। अंचल मे लगातार बारिश होने से सरगी नाला के पुल से 3 फीट पानी उपर बहने पर राजिम महासमुंद मेन सडक मार्ग बाधित। यात्र के लिए दूसरे रूट से लगभग 10 किलोमीटर अधिक सफर तय करना पड़ रहा है।

नगर से 3 किलोमीटर दूर सरगी नाला महासमुंद राजिम मार्ग पर स्थित है।भारी भारिश के चलते दूसरी बार नाले का पानी सड़क के उपर लगभग 3 फीट बह रही है।नाले के दोनो ओर से पुलिस की तैनाती है जो लोगो को पुल पार करने से मना कर अपना फर्ज निभा रही है।नाले पर आई बाढ़ देखने वालों की भारी भीड लगातार बनी हुई है।लोगो का कहना है कि 4,5 सालों बाद भारी भारिश के चलते बाढ़ देखने को मिल रहा है।ज्ञात हो कि इस नाले पर बड़ा पुल बनाने के लिए शासन के द्वारा राशि स्वीकृत कर दी गई है और काम भी चल रहा है लेकिन बारिश के कारण काम मे अवरोध है।

रजनकटा एवं आसपास के गांवों में बाढ़ जैसे हालात

पाण्डुका। गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रजनकटा में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। गांव के पंचायत भवन के आसपास का पूरा क्षेत्र पानी से लबालब भर गया है और बाढ़ का पानी पंचायत भवन तक पहुंच गया है। इस स्थिति से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है तथा जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार रजनकटा में इस प्रकार की भयावह स्थिति पिछले 14 वर्षों में तीसरी बार देखने को मिली है। इससे पहले 21 जुलाई 2012 को बादल फटने की घटना के बाद गांव में भीषण बाढ़ आई थी, जिसने भारी तबाही मचाई थी। इसके बाद 12 अगस्त 2021 को लगातार बारिश के चलते पुनः बाढ़ की स्थिति बनी थी। अब एक बार फिर 29 जुलाई 2026 को लगातार हो रही बारिश के कारण पंचायत भवन तक पानी पहुंच गया है, जिससे ग्रामीणों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

लगातार हो रही बारिश से जनजीवन एक बार फिर अस्त व्याप्त हो गया और छोटी-छोटी नदी नाले उफान पर है और इसी कड़ी में सरगी नदी एक बार फिर अपने रौद्र रूप में आ गई है। जिस तरह आज सुबह ही इस नदी ने सहसपुर में एक बुजुर्ग की बलि ले ली है। तो इसी तरह इसके आसपास बसे गांव वालो क़ो भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।इस सरगी नदी के छोटे पुलिया पूरी तरह से डूब गया है ।

अगर पानी का रफ्तार ऐसा ही रहा तो ग्राम के मुख्य चौक तक चला जाएगा और घरों में पानी आसानी से घुस जाएगा पिछले समय ऐसे ही बाढ़ आया था और कई लोगों के कच्चे मकान टूटे थे इस बार फिर ऐसी स्थिति निर्मित होने वाली है हमेशा से बड़ी पुलिया की मांग होती रही है। तो मवेशी पालक किसान अपने पशुओ को आज घर पर ही बांध कर रखे है क्योंकि गौठान पूरी तरह से डूब चुका है और गायों को नदी के उसे पार ले जाकर जंगल में चराई कराया जाता है पर सरगी नदी में पानी आने के कारण स्कूली बच्चे स्कूल नहीं गए।

बेलाट नाला फिर बना 36 गांवों की मुसीबत

मैनपुर। लगातार हो रही बारिश के चलते देवभोग क्षेत्र के बेलाट नाला एक बार फिर उफान पर आ गया है। नाले में जलस्तर बढ़ने से देवभोग मुख्यालय का करीब 36 गांवों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। हर वर्ष बारिश के मौसम में यही हालात बनते हैं, जिससे हजारों ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बेलाट नाला पर पानी चढ़ने से सबसे अधिक असर शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार पर पड़ा है। देवभोग मुख्यालय पर निर्भर 36 गांवों के लोग जरुरी कार्यों के लिए भी मुख्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं। मरीजों, विद्यार्थियों और व्यापारियों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद है। अधिकारियों द्वारा लोगों से उफनते नाले को पार नहीं करने और जोखिम से बचने की अपील की जा रही है, ता किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

खेत जलमग्न, धान की फसल पर संकट के बादल

राजिम। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन के साथ-साथ खेती-किसानी को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। पूरे राजिम-नवापारा क्षेत्र में चारों ओर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। खेत-खलिहान, मेड़ और निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। जहां तक नजर जाती है, वहां केवल पानी का विस्तार दिखाई दे रहा है। क्षेत्र के अधिकांश किसानों ने धान की बोनी पूरी कर ली थी, जबकि कई स्थानों पर रोपा लगाने का कार्य भी संपन्न हो चुका था। लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों में इतना अधिक पानी भर गया है कि धान के छोटे-छोटे पौधे पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक पानी की निकासी नहीं हुई और बारिश का यही सिलसिला जारी रहा, तो धान के पौधे को नुकसान हो सकता है। सबसे अधिक परेशानी उन खेतों में देखने को मिल रही है, जिन्हें स्थानीय भाषा में बाहरनुमा या गड्ढा वाले खेत कहा जाता है। इन खेतों की बनावट ऐसी होती है कि बारिश का पानी तेजी से भर जाता है, लेकिन उसकी निकासी आसानी से नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप सैकड़ो खेत तालाब का रूप ले चुके हैं और धान की पौध पूरी तरह पानी में समा गई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान की फसल के लिए पर्याप्त पानी लाभदायक होता है, लेकिन लंबे समय तक पौधों का पूरी तरह पानी में डूबे रहना नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे पौधों की बढ़वार प्रभावित होती है और जड़ें कमजोर पड़ने लगती हैं। यदि समय रहते पानी निकल जाए तो फसल को बचाया जा सकता है, लेकिन लगातार जलभराव बना रहा तो नुकसान होना तय है। इधर किसान मौसम के साफ होने और खेतों से पानी निकलने का इंतजार कर रहे हैं।

पंप एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की सहायता से जमा पानी को बाहर निकालने का कार्य शुरू

बारिश के बीच राहत कार्य में जुटी नगरपालिका

नवापारा-राजिम। लगातार हो रही बारिश के कारण नगरपालिका नवापारा क्षेत्र के कई वार्डों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। सड़कों और मोहल्लों में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति की जानकारी मिलते ही नगरपालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू , सीएमओ लवकेश पैकरा ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए नगरपालिका के अमले के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। अध्यक्ष एवं सीएमओ ने जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण कर कर्मचारियों को तत्काल पानी निकासी के निर्देश दिए। नगर पालिका की टीम ने पंप एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की सहायता से जमा पानी को बाहर निकालने का कार्य शुरू किया। साथ ही शहर की नालियों की व्यापक सफाई अभियान भी चलाया गया, ताकि वर्षा का पानी तेजी से निकासी हो सके और दोबारा जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। नगरपालिका की टीम लगातार अलग-अलग वार्डों में पहुंचकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। जहां-जहां से जलभराव की सूचना मिल रही है, वहां तत्काल कर्मचारियों को भेजकर राहत कार्य कराया जा रहा है। बारिश के बीच जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की इस सक्रियता से प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को काफी राहत मिली है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष ओमकुमारी स्वयं पानी से भरे क्षेत्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रही हैं और सीएमओ के साथ मिलकर राहत कार्यों की निगरानी कर रही हैं। इससे लोगों में विश्वास बढ़ा है कि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ने कहा कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नगरपालिका पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जल निकासी में बाधा बनने वाले कचरे को नालियों में न डालें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल नगरपालिका को सूचना दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बारिश के इस दौर में नगरपालिका का राहत एवं सफाई अभियान लगातार जारी है और प्रशासन शहरवासियों को बेहतर राहत उपलब्ध कराने के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है।